

अहकाम, जो हुक्म की ताम में जारी हुए

देशवर्ष का 75 वरक्षेस का नरुद
हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियलस जज
50 पय स 10-5/16

नम्बर व तारी अहकाम, जो हुक्म की तामी में जारी किए

2-19 वकुलाम डरेकण उप-13 मय वक्ष के वकील को बरस खुली एवं पमावली का अवलोकन किया। विवाहित श्रुति-प्रतिबन्ध जमावदी - सं. 2070-73 प्राता सं. 39/6 प. सं. 269/361 प. सं. 6 श्री. 3.162 है। नरती मय 10/10। श्रुतक कर्म से दर्ज है। उक्त श्रुति-प्रतिबन्ध 1.845 है। श्रुति का 1/2 भाग जशरीया कपिला केशव सं. 1 का भाग - 922 है। (प्रातरी हिस्से में आती है)। वकील जशर विवाहित श्रुति को जदी जागराद मानते हुए अपने एक एक हिस्से का वाद प्रातरी के अधिकारों का प्रेश किया हुआ है। केशव सं. 1 जो जशरीया का पिता है विवाहित श्रुति को बेबाग कल कर लेते हैं। जशरीया उक्त बेबाग को नु करी केशव विवाहित श्रुति को स्व-अर्जित होने का प्रथम कल कर ले हुए जशर का जशरीया वर प्राप्ति कर ले श्री इतराफका को है।

हमने पमावली का अवलोकन किया विवाहित श्रुति स्वर्जित सम्पत्ति है केशव जदी जागराद इस बिन्दु का विधि-वाद में साक्षरों के आधार पर तय किया जाया है। इस लिए पद कोई विधि-बुद्धि को ज संभली है। श्रुति जशर के विवाहित श्रुति के सम्बन्ध में बेबाग कल का वाद प्रेश किया है जो विवाहित श्रुति है। वाद विवाहित श्रुति के द्वारा श्रुति का अन्तर्ल हो जाता है। केशव को अपेक्षा जशरीया को प्राप्ता होने वाला प्रथम होगा। लिहाजा जशरीया के मत में केशव के पदक है। केशव विवाहित श्रुति को जशरीया उचित प्रतीत होगी है।

लिहाजा जशरीया का जशरीया

अहकाम

तारीख हुक्म

नम्बर व
अहकाम
हुक्म की
में जारी

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

तारीख हुक्म

नाम- कु. दौलत - पत्र 3 LPA B की- संयुक्त
 (वाता सं. 39/6 पत्र. 269/36/कं. 6
 की 3.162 है जहाँ मय (वाता) में जहाँ
 के जहाँ के नाम से पत्र 1.845 है जहाँ
 का 1/2 भाग जहाँ कर है जहाँ
 (वाता) की कुल वादा के जहाँ
 तक रहने के जहाँ कर है जहाँ
 जहाँ जहाँ के रहने है जहाँ
 जहाँ-पत्र जहाँ जहाँ पर उक्त जहाँ
 जहाँ जहाँ जहाँ जहाँ जहाँ
 जहाँ जहाँ जहाँ जहाँ जहाँ
 में जहाँ जहाँ जहाँ जहाँ जहाँ
 साथ-साथ रहे

उपखण्ड अधिकारी
 रायसिंहनगर

प्रीति कुमार

31

07/11

16/11/19

रि
अ
रि.

23-11-19
 वकील पत्र
 11/19